सफलता

लखनऊ, विशेष संवाददाता। 19 फरवरी को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से प्रदेश में 10 लाख करोड़ से अधिक की निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ होने जा रहा है। इसमें प्रदेश के आकांक्षात्मक जिलों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। जीबीसी में आकांक्षात्मक जिलों की 1 लाख 57 हजार 651 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शुभारंभ होगा, जो ओवरआल टारगेट का 102 प्रतिशत से अधिक है।

योगी सरकार ने जीबीसी के माध्यम से प्रदेश के आठ आकांक्षात्मक जिलों को 1 लाख 53 हजार 400 करोड़ की ´परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का लक्ष्य दिया था। इन जिलों को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए योगी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ही नतीजा है कि जीबीसी में परियोजनाओं के शुभारंभ में यूपी के बड़े और औद्योगिक शहर ही नहीं बल्कि आकांक्षात्मक जनपद भी पीछे नहीं हैं।

परियोजनाएं लेंगी आकार: जीबीसी 4.0 में गौतमबुद्धनगर में सर्वाधिक 2 लाख 23 हजार 887.77 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ होने जा रहा है। इसके बाद दूसरे स्थान पर आकांक्षात्मक जिला सोनभद्र में सर्वाधिक 1,21,220.62 करोड़ की परियोजनाओं मूर्त रूप लेने जा रही हैं। सोनभद्र को एक लाख करोड़ का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के सापेक्ष आकांक्षात्मक जिले ने 121.22 प्रतिशत हासिल कर लिया है। इस निवेश से न सिर्फ पूर्वांचल बल्कि प्रदेश के विकास को भी रफ्तार मिलेगी।

1,57,651

करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का यूपी के आठ आकांक्षात्मक जिलों में होगा शुभारंभ

- **सीएम योगी आदित्यनाथ की निगरानी और दूरदर्शी सोच का दिखने लगा असर**
- **आकांक्षात्मक जिलों में भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स की होगी शुरुआत**

आकांक्षात्मक जिले बने विकास का ग्रोथ इंजन

यूपी का सोनभद्र, चंदौली जिला, जो कभी देश में नक्सलियों से प्रभावित था, आज प्रदेश के विकास में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा डकैतों के आतंक से प्रभावित चित्रकूट और पिछड़ा जिला होने का दंश झेल रहे सिद्धार्थनगर, बहराइच, फतेहपुर, श्रावस्ती और बलरामपुर ने बड़ी संख्या में निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छोटे जिलों को विकास से जोड़ने की मुहिम का ही असर है। वहीं पहले इन जिलों में अव्यवस्था और नक्सल-दस्यु गतिविधियों के चलते उद्योग जगत यहां बड़ा निवेश करने से कतराते रहे हैं। हालांकि, अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं। योगी सरकार की अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति, दुर्गम और हाशिये वाले क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण और बेहतर कनेक्टिविटी से ये जिले यूपी के विकास के ग्रोथ इंजन बनने जा रहे हैं।

लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएगा यूपी

लखनऊ,विशेष संवाददाता। 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद योगी सरकार के लिए यह एक और बड़ा अवसर है, जब पूरी दुनिया की नजरें उत्तर प्रदेश की ओर लगी होंगी। सीएम योगी भी उत्तर प्रदेश में उद्योगों के अनुरूप माहौल के साथ ही भविष्य की योजनाओं को लेकर अपनी बात रखेंगे। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी पीएम मोदी का स्वागत करेंगे, जबकि हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन धीरज हिंदुजा, सैमसंग, साउथ वेस्ट एशिया के सीईओ जेपी पार्क, आईएनजीकेए के सीईओ सुसैन पल्वरर, टोरेंट ग्रुप के एमडी जीनल मेहता और एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन जलज मेहता भी प्रदेश में औद्योगिक विकास की उपलब्धियों के विषय में अपने विचार रखेंगे। रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह भी यहां अपने विचार रखेंगे।